

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून दिनांक : 23 फरवरी, 2016

विषय:- उत्तराखण्ड राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के विभिन्न व्ययों के वहन हेतु धन अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1939/दो-लेखा-2781/2015-16 दिनांक 18.02.16 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में युवा कल्याण विभाग की राज्य युवा कल्याण परिषद के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि ₹ 80.00 लाख (रु० अस्सी लाख मात्र) मात्र के सापेक्ष ₹ 40.00 लाख (रु० चालीस लाख मात्र) की धनराशि शासनादेश संख्या-298/VI-2/2015-51(17)2014 दिनांक 12.05.15 से उपलब्ध करा दिये जाने के उपरान्त अवशेष धनराशि में से द्वितीय किश्त के रूप में ₹ 15.00 लाख (रु० पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- आगामी वित्तीय वर्ष के लिये उत्तराखण्ड राज्य युवा कल्याण सलाहकार परिषद के विभिन्न व्ययों के वहन हेतु धनराशि की मांग सम्बन्धी प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 01.04.15 के आलोक में धनराशि की मितव्ययता से सम्बन्धित कार्य योजना तैयार करते हुए आवश्यक रूप से शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 तथा शासनादेश सं०-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 एवं में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

5- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

6- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-11 के आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक 2204-खेल कूद तथा युवा सेवाएँ-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-05-राज्य युवा कल्याण परिषद को अनुदान-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
प्रभारी सचिव।

पृष्ठांकन संख्या-150 (1)/VI-2/2016-51(17)2014 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. वित्त अधिकारी, सार्डबर ट्रेजरी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
6. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिव विभूति रंजन)  
अनुसचिव।